खबर संक्षेप

अदम्य साहस एवं बुद्धिमता के लिए मिलेगा पुरस्कार

रायगढ़। संचालनालय महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रदेश में बच्चों को किसी घटना विशेष में उनके द्वारा प्रदर्शित अदम्य साहस एवं बुद्धिमता के लिए राज्य वीरता पुरस्कार प्रदान किया जाता है, इसके तहत 05 बालक एवं बालिकाओं को 25 हजार रुपए की राशि एवं प्रशस्ति पत्र के रूप में सम्मानित किया जाएगा। जिसके लिए प्रविष्टियां आमंत्रित किया गया है। प्रविष्टियां कार्यालय, जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग को 15 दिसम्बर तक प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है। प्रविष्टियां सीलबंद लिफाफे में प्रस्तुत करना होगा। लिफाफे के ऊपर राज्य वीरता पुरस्कार अंकित किया जाए। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त प्रविष्टियों पर विचार नहीं किया जाएगा। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि प्रविष्टियां जमा करने हेतु बालक बालिकाओं का पूर्ण परिचय, बालक बालिकाओं, किसी घटना विशेष में अदम्य साहस, शौर्य एवं बुद्धिमता के क्षेत्र के किए गए कार्यों की सप्रमाण विस्तृत जानकारी देना होगा जिसमें यह प्रमाण पत्र भी संलग्र करना होगा कि उपलब्धि वास्तविक तथ्यों पर आधारित है। समाचार पत्र.पत्रिका की कतरन पुलिस डायरी जिसमें घटना का वितरण दर्शित हों, समक्ष प्राधिकारी द्वारा सत्यापित बालक बालिका के 02 नवीन पासपोर्ट साईज फोटोग्राफ, कार्य घटना का विस्तृत विवरण सक्षम प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित, अन्य सुसंगत दस्तावेज जो आवश्यक हो।

पात्र-अपात्र सूची जारी किया जा सकता है अवलोकन

रायगढ़। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत वन अधिकार अधिनियम, 2006 का क्रियान्वयन अंतर्गत वन अधिकार प्रकोष्ठ में मानव संसाधन की नियुक्ति हेतु विज्ञापन जारी कर रायगढ़ जिला अंतर्गत जिला स्तरीय समन्वयक समन्वयक वन अधिकार अधिनियम एवं एमआईएस सहायक सहायक वन अधिकार अधिनियम की नियुक्ति के चयन हेतु प्राप्त आवेदनों का स्क्रुटनी उपरांत, पात्र-अपात्र सूची का प्रकाशन किया जा रहा है। जिले के शासकीय वेबसाईट में उक्त पात्र.अपात्र एवं अन्य आवेदनों की सूची का अवलोकन कार्यालयीन समय में किया जा सकता है। पात्र.अपात्र एवं अन्य आवेदनों की सूची पर दावा.आपत्ति 10 नवम्बर तक समय शाम 5 बजे तक इस सहायक आयुक्त आदिवासी विकास कार्यालय में मंगाया जाता है।

प्लेसमेंट कैम्प 10 को

रायगढ़। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था रायगढ़ के ट्रायसेम हॉल में 10 नवम्बर को प्रातः 10 बजे से प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जाएगा। जिसमें जिंदल स्टील लिमिटेड पूंजीपथरा रायगढ़ एवं हिण्डालको इंडस्ट्रीज लिमि रायगढ़ में रिक्त कुल 111 विभिन्न पदों पर भर्ती की जाएगी। इच्छुक आवेदक नियत तिथि एवं समय पर उपस्थित होकर प्लेसमेंट कैम्प में शामिल हो सकते है।

मंडी समिति का चुनाव 15 सालों से नहीं हुआ, सहकारी के भी ऐसे ही हालात

न सहकारी समितियों का हो रहा चुनाव ना मंडी समिति का, ऐसे ही निपटा रहे काम

अध्यक्ष के बगैर नहीं रुकता कोई काम, इसलिए जरुरी नहीं समझ रही सरकार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

एक-डेढ़ दशक से किसी समिति का चुनाव नहीं होना अपने आप में ही कई तरह के सवाल को जन्म दे रहा है। इसमें सहकारी समितियां और मंडी समिति दोनों का चुनाव शामिल है जो बीते 10-15 सालों से नहीं हो सका है। चुनाव क्यों नहीं कराया जा रहा है इसका जवाब सहकारिता विभाग के अधिकारी और मंडी समिति के सचिव दोनों ही नहीं बता पा रहे हैं। याने दोनों ही समितियों में ऐसे ही काम चलाया जा रहा है। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने एक-डेढ़ साल के लिए दोनों ही समितियों में अध्यक्ष मनोनित किया था। इसके बाद सरकार बदली तो वो भी भंग हो गई। अभी सहकारी समितियों में मनोनित से काम चल रहा है और मंडी समिति भार साधक अधिकारी के भरोसे चल रहा है। हालांकि इससे कोई काम प्रभावित होता नहीं है, इसके कारण चुनाव कराने को लेकर सरकार भी गंभीर नहीं है। अब इस सिस्टम को बदलने की तैयारी हो रही है। जानकारी मिली है सहकारी समितियों में अध्यक्ष मनोनयन करने की तैयारी चल रही है। इसी तरह मंडी समिति में भी अध्यक्ष मनोनयन किया जा सकता है। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने पटेलपाली मंडी समिति में एक अध्यक्ष समेत सात सदस्यों का मनोनयन किया गया था। सरकार बदली तो हटा दिया गया। इसी तरह सहकारी समितियों में भी मनोनित किया गया था। उनको भी हटना पड़ा। तब से अब तक न मनोनयन हुआ है और न ही चुनाव कराने की पहल हो रही है। दोनों ही समितियों में चुनाव हुए करीब 12-15 साल बीत चुका है। अब चुनाव होगा या नहीं इसकी जानकारी भी अधिकारियों के पास नहीं है।

भारसाधक अधिकारी के निर्देश पर काम

मंडी समिति में किसी तरह का कोई काम प्रभावित नहीं होता है। कृषि विभाग के अधिकारी को भार साधक अधिकारी बनाए गए हैं। उनके निर्देशानुसार काम हो रहा है। जानकारी के अनुसार सप्ताह में एक या दो दिन भार साधक अधिकारी कृषि उपज मंडी जाते हैं और वहां का काम निपटाते हैं। मंडी अध्यक्ष के बिना कोई काम प्रभावित नहीं होता है।

जिले में तीन मंडी और दो उप मंडी संचालित

जिले में तीन मंडी संचालित है। इसमें रायगढ़, घरघोड़ा और खरसिया शामिल है। रायगढ़ का उप मंडी पुसौर और चिखली है। सारंगढ़ मंडी का उपमंडी केडार और बरमकेला मंडी का उप मंडी सरिया है। तीनों मंडी समिति के लिए चुनाव नहीं हो सका है। जिले में बीजेपी कांग्रेस के नेता भी इस चुनाव का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन खत्म नहीं हो रहा है।

पुरी के होटल में मिली के बी-टेक के छात्र की लाश

राउरकेला। इस्पात नगरी राउरकेला के लेबर टेनामेंट निवासी शुभेंदु सामल का पुत्र चिन्मय सामल, जो कटक के टांगी स्थित गांधी इंजीनियरिंग कॉलेज में बी-टेक का छात्र था, रहस्यमय परिस्थितियों में मृत पाया गया। उसकी लाश पुरी के खुंटियासाई स्थित राधाकृष्ण निवास होटल के कमरा संख्या 302 से गुरुवार शाम को बरामद की गई। परिजनों के अनुसार चिन्मय अपने तीन साथियों के साथ भुवनेश्वर के बालीयात्रा में भाग लेने गया था। बुधवार शाम उसने पिता से अंतिम बार फोन पर बात की थी। इसके बाद उसका मोबाइल बंद हो गया और संपर्क नहीं हो पाया। गुरुवार शाम कटक पुलिस ने सूचना दी कि चिन्मय का शव होटल के कमरे से मिला है। परिवार का कहना है कि चिन्मय के दो साथी उसका मोबाइल लेकर फरार हैंए जिससे हत्या की आशंका और गहरी हो गई है। मानसिक रूप से परेशान था। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा किया।

जूटमिल हत्याकांड के आरोपी को आजीवन कारावास की सजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

जिला एवं सत्र न्यायाधीश जितेंद्र जैन के न्यायालय से जूटमिल निवासी रमेश तिवारी उर्फ बब्बू महाराज हत्याकांड में फैसला सुनाया गया। न्यायालय ने आरोपी दीपक उर्फ प्रकाश यादव पिता स्वर्गीय मिलाऊ राम यादव उम्र 42 वर्ष निवासी बाजीराव मोदहापारा, थाना जूटमिल को भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 103, 309, 6, 331,7 और 238 के अंतर्गत दोषसिद्ध पाते हुए हत्या एवं गृह.भेदन के अपराध में आजीवन कारावास की सजा से दंडित किया। मामले की संपूर्ण विवेचना तत्कालीन थाना प्रभारी जूटमिल निरीक्षक मोहन भारद्वाज द्वारा की गई थी, जबकि अभियोजन की ओर से लोक अभियोजक पीएन गुप्ता ने न्यायालय में प्रभावी पैरवी की। पुलिस द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य एवं घटनाक्रम की कड़ी अखंड और प्रमाणिक सिद्ध हुई जिससे आरोपी को दोषसिद्ध ठहराया गया। उल्लेखनीय है कि 26 सितंबर 2024 की सुबह जूटमिल क्षेत्र के बाजीराव पारा स्थित गंधरी पुलिया के पास रहने वाले 62 वर्षीय रमेश तिवारी उर्फ बब्बू महाराज का शव उनके घर में मिला था। घटना के बाद पुलिस अधीक्षक दिव्यांग कुमार पटेल के मार्गदर्शन में एडिशनल एसपी आकाश मरकाम के साथ दो डीएसपी और लगभग 30 पुलिसकर्मियों की विशेष टीम गठित की गई थी, जिसने 72 घंटे के भीतर इस ब्लाइंड मर्डर की गुत्थी सुलझा ली थी। आरोपी दीपक यादव ने पुलिस को दिए अपने निशानदेही बयान में स्वीकार किया था कि वह रुपए चोरी करने की नीयत से घर में घुसा था और पकड़े जाने के भय से बब्बू महाराज की हत्या कर दी। जांच टीम ने पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण में सभी महत्वपूर्ण साक्ष्यों की श्रृंखला तैयार कर न्यायालय में प्रस्तुत कीए जो अभियोजन पक्ष के लिए निर्णायक सिद्ध हुई। पुलिस अधीक्षक दिव्यांग कुमार पटेल ने कहा कि जिले में गंभीर अपराधों के मामलों में त्वरित और प्रभावी विवेचना कर दोषियों को कठोर सजा दिलाने का उद्देश्य पुलिस का प्रमुख लक्ष्य है। नई भारतीय न्याय संहिता के तहत यह फैसला न्यायिक प्रक्रिया में एक ऐतिहासिक निर्णय के रूप में दर्ज हुआ हैए जिससे अपराधियों में कानून का भय और जनता में न्याय प्रणाली के प्रति विश्वास और अधिक सशक्त हुआ है।

जटिल बुनाई करने वाले गणेश हुए उपराष्ट्रपति से सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ सरिया

राज्योत्सव के अवसर पर राजधानी रायपुर में सरिया क्षेत्र के बुनकर कलाकार गणेश मेहर को उप राष्ट्रपति ने सम्मानित किया । मोटे धागे से बनी सबसे बुनियादी सूती साड़ी में कलात्मक चित्र निर्मित करने वाले मेहर के कलाकृति को राज्य शासन ने बुनकारी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए छत्तीसगढ़ राज्य अलंकरण सम्मान के लिए चयनित किया है।

राज राजेश्वरी करुणा माता पुरस्कार से छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा हथकरघा उद्योग को बढ़ावा देने के लिए व स्थानीय हथकरघा बुनकरों और उद्योगों को प्रोत्साहन देने और स्थानीय प्रतिभाओं को सम्मानित करने के उद्देश्य से ग्रामोद्योग विभाग द्वारा यह अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें छत्तीसगढ़ से दो बुनकरों को राज राजेश्वरी करुणा माता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। जिसमें सरिया पंचधार के गणेश मेहर ने छत्तीसगढ़ दर्शन को सूती धागों में पिरोकर एक उत्कृष्ट कलाकृति का निर्माण कर छत्तीसगढ़ शासन को भेंट किया। जिसके कारण उन्हें राज्योत्सव के समापन अवसर पर उपराष्ट्रपति ने सम्मानित किया। इसके पहले गणेश ने हरिभूमि संवाददाता से खास चर्चा करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति की समृद्ध ताने बाने में असंख्य परंपराएं बुनी जाती है। प्रत्येक क्षेत्र की अपनी अनोखी विरासत इसमें निर्मित है।

छत्तीसगढ़ और ओड़िशा के बेजोड़ बुनकारी ऐसी एक परंपरा को सदियों से सफलतापूर्वक संपन्न किया जा रहा है। उत्कृष्ट बुनकारी आज भी बनी हुई है। यह पारंपरिक पोशाक न केवल बुनकरों की कलात्मक क्षमता का उदाहरण है, बल्कि छत्तीसगढ़ और उड़ीसा की इतिहास और संस्कृति की विरासत को भी समेटे हुए हैं। सरिया के ग्राम पंचधार में गणेश मेहर कला के क्षेत्र में महारथ हासिल है और उन्होंने जटिल बुनाई और डिजाइन के कारण बेजोड़ कलाकृति के नाम से जाने जाते हैं।

विपरित रंग और डिजाइन का रहता है मेल

उनकी बुनकारी की खासियत यह है कि विपरीत रंग और डिजाइन का मेल जो देखने में बेहद आकर्षक लगता है। इनके द्वारा निर्मित साड़ी में कलात्मक अभिव्यक्ति का एक केनवास उभरता है। इसमें जटिल और आकर्षक डिजाइन होते हैं। उनका कहना है की साड़ी एक परिधान नहीं। यह उड़ीसा और छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति विरासत और इसके लोगों की शिल्प कला का जीवंत प्रमाण है। इस बार उन्होंने छत्तीसगढ़ महतारी को लेकर छत्तीसगढ़ दर्शन के नाम से एक उत्कृष्ट कलाकृति साड़ी में उकेरा है और उनको राज्योत्सव के पहले प्रस्तुत किया। जिसके कारण ग्रामोद्योग विभाग द्वारा उनके द्वारा निर्मित छत्तीसगढ़ दर्शन साड़ी को राज्योत्सव स्थान मिला और 5 नवंबर को उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के हाथों राजधानी रायपुर में सम्मानित हुए। वस्त्र उत्पादन की पारंपरिक कला संस्कृति की अनुपम को बनाए रखने के उद्देश्य से गणेश मेहर बचपन से कार्य कर रहे हैं।

तमनार वन परिक्षेत्र में करंट से हाथी की मौत मामले में अन्य पांच आरोपियों की गिरफ्तारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

तमनार वन परिक्षेत्र में करंट की चपेट में आने से एक हाथी की मौत के प्रकरण में वन विभाग की कार्रवाई लगातार जारी है। विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आज पांच और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही अब तक इस मामले में कुल 10 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों में ग्राम नूनदरहा के लक्ष्मीराम पिता भगतरामए रामप्रसाद पिता दया और मोहन पिता पालिस राम तथा ग्राम केराखोल के महावीर पिता मालिकराम एवं घसियाराम पिता लछन यादव शामिल हैं। इससे पहले बसंत राठिया, वीर सिंह मांझी, रामनाथ राठिया, देवनारायण राठिया और जयलाल मांझी को वन विभाग ने गिरफ्तार किया था। वन विभाग की प्रारंभिक जांच में यह तथ्य सामने आया कि आरोपियों ने खेत की मेड़ पर जंगली सूअर के शिकार के उद्देश्य से बिजली का करंट प्रवाहित तार बिछाया था। उसी में फंसकर एक हाथी की मौत हो गई थी। आरोपियों के विरुद्ध वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियमए 1972 की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया है। गिरफ्तार सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गयाए जहां से आगे की कानूनी प्रक्रिया तय की जाएगी। वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि वन्यजीवों की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अपराध को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विभाग दोषियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह संपूर्ण कार्रवाई वनमंडलाधिकारी अरविंद पीएम एवं उप वनमंडलाधिकारी मनमोहन मिश्रा के मार्गदर्शन व निर्देशन में तथा वन परिक्षेत्र अधिकारी विक्रांत कुमार के नेतृत्व में की जा रही है। वन विभाग की टीम इस प्रकरण की जांच में सक्रिय है और घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की गहनता से पड़ताल जारी है।

केलो नदी में कचरा फेंका तो खैर नहीं, देना पड़ेगा जुर्माना

रायगढ़। सभी जोन में सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने सहित मुख्य मार्ग में कचरा फेंकने वालों पर जुर्माना करवाई करने के दिए गए निर्देश रायगढ़। नगर निगम द्वारा शहर की स्वच्छता व्यवस्था को दुरुस्त रखने एवं नदी में बढ़ते प्रदूषण पर रोक लगाने के उद्देश्य से गुरुवार को महापौर श्री जीवर्धन चौहान एवं नगर निगम आयुक्त बृजेश सिंह क्षत्रिय ने संयुक्त रूप से सफाई विभाग की बैठक ली। इस दौरान उन्होंने नदी में कचरा फेंकने वालों सहित मुख्य सड़क पर कचरा फेंकने वालों पर सख्ती बरतने हुए जुर्माने कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बैठक में महापौर श्री चौहान ने साफ शब्दों में कहा कि नदी, नालों और मुख्य मार्गों पर कचरा फेंकने वालों के खिलाफ अब जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि शहर की सुंदरता और स्वच्छता बनाए रखना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद निगम प्रशासन अब सख्त रुख अपनाने जा रहा है। आयुक्त श्री क्षत्रिय ने सभी जोन के सफाई दरोगा को प्रत्येक जोन में सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने और जहां भी खुले में कचरा फेंकने की शिकायत मिलेए वहां तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने निगम की टीम को मुख्य मार्ग एवं नदी किनारे में कचरा जमा होने जैसे संवेदनशील स्थलों में निगरानी बढ़ाने और जरूरत पड़ने पर गंदगी फैलाने कचरा फेंकने वालों से चालान काटकर जुर्माना वसूलने के निर्देश दिए। इसी तरह स्टेशन चौक और हेमू कॉलोनी चौक पर बेतरतीब ठेला गोमचे लगाने वाले व्यवसायियों को व्यवस्थित करने और अतिक्रमण पर कार्रवाई करने के लिए संबंधित सफाई दरोगा को निर्देशित किया गया। महापौर श्री चौहान ने विशेष रूप से मरीन ड्राइव एवं प्रमुख नदी तट क्षेत्रों में स्वच्छता सुपरवाइजर के माध्यम से निगरानी रखने के निर्देश दिए हैंए ताकि नियम तोड़ने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ जुर्माना सहित वैधानिक कार्रवाई की जा सके। इस दौरान उन्होंने शहर के सभी नागरिकों से शहर को स्वच्छ रखने में सहयोग करने और कचरा निर्धारित डस्टबिन में डालना या वाहन में ही देने की अपील की। बैठक में यह भी तय किया गया कि प्रत्येक जोन में नियमित निरीक्षण अभियान चलाया जाएगा और सफाई कर्मियों की उपस्थिति एवं कार्य की समीक्षा साप्ताहिक रूप से की जाएगी। महापौर श्री चौहान ने कहा रायगढ़ को स्वच्छए सुंदर और प्रदूषण मुक्त शहर बनाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर जिलेभर में हुआ भव्य आयोजन, कार्यालयों में गूंजा वंदे मातरम

वंदे मातरम एक शब्द नहीं, यह एक मंत्र है, जो ऊर्जा और संकल्प का प्रतीक

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर जिले में देशभक्ति और उत्साह से ओतप्रोत विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज जिला कलेक्टोरेट, जिला पंचायत, नगर निगम रायगढ़ सहित सभी नगरीय निकायों, ग्राम पंचायतों, महाविद्यालयों, विद्यालयों एवं शासकीय संस्थानों में राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित वंदे मातरम कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दूरदर्शन के माध्यम से देखा गया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र के नाम संदेश दिया। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि वंदे मातरम एक शब्द नहीं, यह एक मंत्र है, जो ऊर्जा और संकल्प का प्रतीक है। यह शब्द हमें हमारे गौरवशाली इतिहास से जोड़ता है, वर्तमान को आत्मविश्वास से भरता है और भविष्य को नई दिशा देता है। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम का सामूहिक गायन अद्भुत अनुभव प्रदान करता है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर स्मारक सिक्का, डाक टिकट तथा वंदे मातरम् पोर्टल का भी शुभारंभ किया। केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि वंदे मातरम् का सामूहिक गायन आज पूरे देश में एकता और राष्ट्रीय भावना का प्रतीक बन गया है। यह गीत छोटी-छोटी घटनाओं से जन्म लेकर स्वतंत्रता आंदोलन में राष्ट्रभक्ति और चेतना का स्रोत बना। आज भी यही एकता भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का मूल मंत्र है। इस अवसर पर जिला कलेक्टोरेट स्थित सभाकक्ष में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में अरुण धर दीवान, विकास केडिया, कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी, पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल, अपर कलेक्टर अपूर्व प्रियेश टोप्पो, संयुक्त कलेक्टर राकेश गोलछा, श्रीमती पूजा बंसल, रवि राही, डॉ. प्रियंका वर्मा, धनराज मरकाम सहित विभिन्न प्रशासनिक अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इसी तरह नगर निगम रायगढ़ में आयोजित कार्यक्रम में महापौर जीवर्धन चौहान, सभापति डिग्रीलाल साहू, नगर निगम आयुक्त बृजेश सिंह क्षत्रिय एवं पार्षदगणों के साथ बड़ी संख्या में नागरिकों ने भी सहभागिता की। वहीं जिला पंचायत रायगढ़ में आयोजित कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शिखा रवीन्द्र गभेल, सदस्य श्रीमती सुषमा खलखो, श्रीमती लक्ष्मी जीवन पटेल, श्रीमती भाग्यवती डोलनारायण नायक मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिजीत बबन पठारे सहित समाज कल्याण विभाग और जिला पंचायत के 70 से अधिक अधिकारी.कर्मचारी शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के सामूहिक गायन से हुआ। उपस्थित जनों ने भारत माता के महान सपूतों को नमन करते हुए राष्ट्रगीत की भावनाओं को आत्मसात किया। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ का आयोजन चार चरणों में किया जाएगा। प्रथम चरण 7 से 14 नवम्बर, द्वितीय चरण 19 से 26 जनवरी, तृतीय चरण 7 से 15 अगस्त हर घर तिरंगा अभियान के साथ और चतुर्थ चरण 1 से 7 नवम्बर समापन सप्ताह तक आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि वर्षभर चलने वाले कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में वंदे मातरम की भावना को जन.जन तक पहुंचाने के लिए विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। शैक्षणिक संस्थानों में वंदे मातरम को समर्पित विशेष सभाएं, निबंध लेखन, वाद.विवाद, प्रश्नोत्तरी, पोस्टर निर्माण एवं अन्य रचनात्मक प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, ताकि विद्यार्थियों में राष्ट्रगीत वंदे मातरम के प्रति भावनात्मक जुड़ाव और देशभक्ति की भावना को और अधिक सशक्त किया जा सके।

Powered by
DCT Real Estate Developers Bilaspur (c.g.)
प्रॉपर्टी मतलब DCT
ISO 9001- 2015 Certified
FORTUNE
ELEMENTS
Presents
CREDAI BILASPUR
आपने ADDRESS CHANGE कराया क्या?
CREDAI PROPERTY EXPO 2025
7, 8 & 9 NOV 2025
KUNDAN PALACE, SHRIKANT VERMA MARG, BILASPUR
Banking Partner
SBI
आज MISS किया
तो कल पछताएंगे
जो CREDAI एक्सपो में
आज और कल नहीं आयेंगे
ये हैं विशेष बस 2 दिन शेष
प्रॉपर्टी बुकिंग पर ई-स्कूटर जीतने का मौक़ा
Concept & Design @ AdPRAYAS
एक्सपो विज़िट पर हर घंटे चाँदी का सिक्का जीतने का मौक़ा
Stalls
of Best in Class Building Material Vendors
30+
Housing & Commercial Projects with Best Deals
ई-स्कूटर से लेकर एसी, फ्रिज, वाशिंग मशीन सहित 3 लाख तक के इनाम
Bathcare Partner
Jaquar BATHROOM
PARTICIPATING BRAND
CITYWALK
DRS High Street
S. K. BUILDERS & COLONIZERS
GK Group
Shree Balaji Doors & Ply
NIRVANA HOMES
ASA
SOLITAIRE
Vijaya Shri Heritage
ATLANTIC IMPERIAL TOWER
FORTUNE Infra
SHRI GANESH ORCHID
HARSH PROJECTS
GEETANJALI ERA
OoWah
Swarna Shikhar
USHA VALLEY
SWARNIMA ERA
WallingCo
VRINDAVAN INFRA ESTATES PVT.LTD.
UB WORLD
SARDAR JI
Aashiyana
AVIRAL DEVELOPERS
ARPA GREENS ROYAL
KRISHNA
GWALANI GROUP
KD CONSTRUCTION
FEDERAL BANK
vision vistara
Skyler
ALASKA HOMES
DHEERAA SKYLLA
CLASSIC GROUP
Bajpai Buildcon
360° INFRA SOLUTIONS
INDU
कृष्णा पुरम
Aishwaryam
Anand Vihar
CHITVAN Farm
DIWANJI
HDFC BANK
Vijay
कुदन पैलेस, श्रीकात वर्मा मार्ग, बिलासपुर (छ.ग.) | 78980-32660

जन नायकन का नया पोस्टर जारी, दिखा विजय का धांसू लुक

मुंबई। थलपति विजय की नई फिल्म 'जन नायकन' का एक नया पोस्टर आज गुरुवार को जारी किया गया। फिल्म के निर्माता केवीएन पिक्चर्स ने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्टर साझा कर प्रचार शुरू करने की घोषणा की। यह घोषणा तब हुई जब तमिलनाडु वेत्री कजगम (टीवीके) ने बुधवार को विजय की मुख्यमंत्री पद की उम्मीदवारी की घोषणा की। थलपति विजय की आगामी फिल्म 'जन नायकन' का एक नया पोस्टर निर्माताओं ने एक्स पर जारी किया और लिखा, 'चलो शुरू करते हैं।' इसमें विजय को जनता के नेता के रूप में दिखाया गया है। वह नीली शर्ट और एविएटर चश्मे में भीड़ के बीच खड़े हैं। यह पोस्टर विजय को आम आदमी के नेता के रूप में दर्शाता है।

लाइफ Style

मोनालिसा

बॉलीवुड के बाद साइन की तेलुगू फिल्म

एजेंसी ▶▶ मुंबई

प्रयागराज में महाकुंभ मेले में जिस चेहरे ने सबसे अधिक सुर्खियां बटोरी वो थीं मोनालिसा। महाकुंभ में घूम-घूम कर माला बेचने वाली मोनालिसा को तब तक अंदाजा भी नहीं था कि आगे उनकी जिंदगी किस तरह पलटी मारने वाली है।

इंदौर की ये मोनालिसा भोंसले वहां मौजूद भीड़ के बीच अपनी खूबसूरत आंखों और नैन-नक्श की वजह से सबके आकर्षण का केंद्र बन गईं। अपने सांवले रंग, एम्बर आंखें, और लाजवाब नैन-नक्शन के कारण वो रातों रात सोशल मीडिया पर सनसनी बन गईं। वहीं अब मोनालिसा ने एक और ऊंची छलांग लगाई है। अब उन्हें गाने के साथ-साथ फिल्मों में भी मौका मिला है। बताया जा रहा है कि मोनालिसा बॉलीवुड में पहली फिल्म 'द डायरी ऑफ मणिपुर' कर चुकी हैं, जिसका निर्देशन सनोज मिश्रा ने किया है। फिल्म में मोनालिया ने एक आर्मी ऑफिसर की बेटी का किरदार निभाया है। अब इसी के साथ मोनालिसा ने साउथ फिल्मों की तरफ कदम बढ़ाया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मोनालिसा अब तेलुगु की एक फिल्म करने जा रही हैं। कहा जा रहा है कि तेलुगू फिल्म 'लाइफ' में एक्टिंग करती हुई नजर आएंगी। इस फिल्म को लेकर उन्होंने मीडिया से मुलाकात और बातें भी की, जिसका वीडियो सामने आया है। अब इससे जुड़ी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर भी सामने आ रहे हैं। बताया ये भी जा रहा है कि ये एक पैन इंडिया फिल्म होगी जिसमें मोनालिसा, 'क्रश' और 'इट्स ओके गुरु' जैसी फिल्मों के लिए मशहूर हीरो चरण साईं के साथ नजर आनेवाली हैं।

हॉलीवुड मसाला

विद्युत को देखकर उड़ाया था मजाक

लॉस एंजिल्स। अभिनेता विद्युत जामवाल लोकप्रिय वीडियो गेम फ्रेंचाइजी 'स्ट्रीट फाइटर' के लाइव-एक्शन रीबूट के साथ हॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने वाले हैं। अभिनेता फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। हाल ही में एंड्रयू शुल्ज ने विद्युत के साथ हुई अपनी पहली मुलाकात को याद किया। इस मुलाकात को खास बताते हुए एंड्रयू ने कहा कि कैसे उन्हें पहले लगा कि विद्युत ने एक ड्रेस पहन रखी है और वे उन्हें इसके लिए चिढ़ाने लगे। यह महसूस नहीं कर पाए कि अभिनेता आमतौर पर ऐसे ही कपड़े पहनते हैं। मार्शल आर्ट को लेकर बात करते हुए अभिनेता कहा कि विद्युत ने मार्शल आर्ट को बढ़ावा दिया है।

फातिमा ने मूर्ख कहने पर बीच में छोड़ी मिस यूनिवर्स की स्पर्धा

लॉस एंजिल्स। मिस यूनिवर्स 2025 की प्रतियोगिता 21 नवंबर को थाईलैंड में होने वाली है। इससे पहले ही इस प्रतियोगिता में विवाद शुरू हो गया है। 4 नवंबर को बैंकॉक में एक कार्यक्रम के दौरान, मिस मैक्सिको फातिमा बॉश को थाई प्रतियोगिता निदेशक नवात इत्सराग्रिसिल ने मूर्ख कहा। इसके बाद वह प्रतियोगिता से बाहर चली गईं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इत्सराग्रिसिल ने एक शूट में मौजूद न रहने पर बॉश से पूछताछ की। इससे पहले कि फातिमा बॉश अपनी सफाई देतीं, थाई निदेशक ने बीच में ही टोक दिया और कहा, 'अगर आप अपने राष्ट्रीय निदेशक के आदेशों का पालन करती हैं, तो आप मूर्ख हैं।' इत्सराग्रिसिल का यह बयान फातिमा को पसंद नहीं आया और वह कई दूसरे प्रतियोगियों के साथ कार्यक्रम से बाहर चली गईं। यहां तक कि वर्तमान मिस यूनिवर्स विक्टोरिया केजर थेलविग ने भी मिस मैक्सिको का समर्थन किया और कार्यक्रम छोड़ने का फैसला लिया।

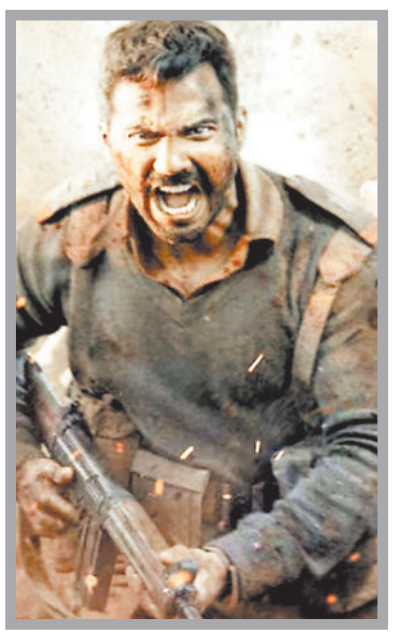

बॉर्डर-2 से वरुण की तस्वीर वायरल

मुंबई। बॉर्डर 2 के मेकर्स ने फैंस को सरप्राइज दिया है। उन्होंने सनी देओल के बाद अब वरुण धवन का फर्स्ट लुक पोस्टर शेयर कर दिया है। ये सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। ये फिल्म अगले साल जनवरी महीने में रिलीज होने वाली है। ये 'बॉर्डर' फिल्म का सीक्वल है, जो 28 साल बाद रिलीज हो रहा है। 'बॉर्डर 2' फिल्म से वरुण धवन का फर्स्ट लुक रिवील कर दिया गया है, जो सोशल मीडिया पर देखते ही देखते वायरल हो गया है। इससे पहले मेकर्स ने फिल्म से सनी देओल का फर्स्ट लुक शेयर किया था। ये मूवी 23 जनवरी 2026 को रिलीज होगी। 'बॉर्डर 2' फिल्म से अपने लुक को शेयर करते हुए वरुण धवन ने कैप्शन में लिखा, 'देश का सिपाही पीवीसी होशियार सिंह दहिया।' उनके इस पोस्ट पर खूब रिएक्शन आ रहे हैं।

120 बहादुर फिल्म में शौर्य की कहानी

मुंबई। फरहान अख्तर की मच अवेटेड वॉर-ड्रामा फिल्म '120 बहादुर' का ट्रेलर गुरुवार को रिलीज कर दिया गया है। इससे पहले फिल्म का टीजर और गाने सामने आए थे, जिन्हें मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला था। अब मेकर्स ने फिल्म की रिलीज से दो हफ्ते पहले ट्रेलर जारी किया है। ट्रेलर में जबरदस्त जंग और भारतीय सैनिकों के शौर्य की कहानी देखने को मिल रही है। ट्रेलर की शुरुआत अमिताभ बच्चन की आवाज में एक वॉइस ओवर से होती है। जिसमें वो बोलते हैं, 'कभी वो दिन थे जब भारत ने चीन को सिर्फ अपना पड़ोसी नहीं, बल्कि बड़ा भाई माना था। लेकिन, 1962 को पता चला कि ये भाईचारे की भावना दोनों तरफ से नहीं थी। ये हमला एक विश्वासघात था।' 2 मिनट 48 सेकंड के इस ट्रेलर में 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान रेजांग ला की लड़ाई को दिखाया गया है।

टीवी मसाला

अनुपमा ने मारी बाजी, क्योंकि सास भी कभी बहू थी दूसरे पायदान पर

नई दिल्ली। हर हफ्ते की तरह इस बार भी टीवी की टीआरपी लिस्ट आ चुकी है और इस बार का परिणाम भी दर्शकों के बीच खूब चर्चा में है। 43वें हफ्ते की रिपोर्ट में साफ नजर आया कि स्टार प्लस के सीरियल्स ने एक बार फिर बाजी मार ली है। अनुपमा और क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 के बीच मुकाबला इतना नजदीकी रहा कि दोनों के फैंस सोशल मीडिया पर अपनी-अपनी पसंदीदा शो के लिए जंग छेड़े हुए हैं। रुपाली गांगुली स्टारर शो अनुपमा ने एक बार फिर दर्शकों के दिलों में अपनी जगह कायम रखी है। शो ने इस हफ्ते 2.1 की टीआरपी के साथ नंबर वन पोजीशन संभाली। बीते हफ्ते के मुकाबले इसमें हल्की गिरावट जरूर आई है, लेकिन कहानी में दिखाया जा रहा बदले का ट्रैक दर्शकों को बांधे हुए है। स्मृति ईरानी की वापसी के बाद यह शो एक बार फिर दर्शकों का पसंदीदा बन गया है। इस हफ्ते क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 ने 2.0 की टीआरपी हासिल की और सीधे दूसरे स्थान पर पहुंच गया। शो में तुलसी का किरदार फिर से दर्शकों के बीच चर्चा में है। पारिवारिक ड्रामा, इमोशन्स और पुराने अंदाज में ट्विस्ट भरे प्लॉट ने लोगों को जोड़े रखा है। स्टार प्लस का एक और शो उड़ने की आशा ने भी टीआरपी चार्ट में अपनी जगह मजबूत की है। इस शो ने इस हफ्ते 1.8 की रेटिंग पाई और तीसरे पायदान पर बना रहा। शो में एक मध्यमवर्गीय लड़की के सपनों की उड़ान को दिखाया गया है, जो मुश्किल हालातों में भी हिम्मत नहीं हारती। जी टीवी का शो तुम से तुम तक इस हफ्ते 1.8 टीआरपी के साथ चौथे स्थान पर रहा। इसकी कहानी दो परिवारों और प्रेम के बीच टकराव पर केंद्रित है। रोमांस और ड्रामा के सही मिश्रण ने दर्शकों को बांधे रखा है। 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' हमेशा से दर्शकों के दिलों के करीब रहा है। इस बार शो ने 1.8 की टीआरपी के साथ टॉप 5 में जगह बनाई है।

अब हिना ने की काजोल की एक्टिंग

नई दिल्ली। टेलीविजन की मशहूर अभिनेत्री हिना खान अपने फैंस को कुछ न कुछ करके हैरान कर देती हैं। उन्होंने हाल ही में अपने सोशल मीडिया पर करीना कपूर की फिल्म 'कभी खुशी कभी गम' के 'पू' के किरदार की एक्टिंग की थी। जिसका वीडियो उनके फैंस को बेहद पसंद आया। वहीं आज हिना ने इसी फिल्म से काजोल के एक डायलॉग को दोहराया। जिसको सेलेब्स भी पसंद कर रहे हैं। हिना ने राजस्थानी लहंगा और शाही गहनों के साथ हल्का मेकअप लुक अपनाया। जिसे देख फैंस उनकी तारीफ कर रहे हैं। हिना ने फिल्म 'कभी खुशी कभी गम' में काजोल के मशहूर डायलॉग 'वो मेरी दुकान हडपना चाहता है' को मस्ती भरे अंदाज में पेश किया। उन्होंने वीडियो के साथ लिखा, 'और रीलिंग जारी है ।' इस पोस्ट पर अभिनेता रोहित रॉय ने कमेंट किया, 'प्रिय, तुम्हारी चमक को कोई फीका नहीं कर सकता।'

महाअवतार में भगवान परशुराम का किरदार निभाएंगे विक्की

मुंबई। छावा की सक्सेस के बाद विक्की कौशल अपने नए प्रोजेक्ट में लग गए हैं। उनकी नई फिल्म भी काफी बड़े पैमाने पर आने वाली है जिसके लिए उन्होंने अपनी डाइट से लेकर लाइफस्टाइल में कई बड़े बदलाव करने का फैसला लिया है। विक्की कौशल जल्द ही स्त्री 2 के डायरेक्टर अमर कौशिक के साथ विष्णु के चिरंजीवी परशुराम पर बनने वाली कहानी में काम करेंगे। इसका टाइटल 'महावतार' बताया जा रहा है। एक रिपोर्ट का दावा है कि इस फिल्म के लिए वह शराब-नॉनवेज तक छोड़ देंगे। विक्की कौशिल और अमर कौशिक ने 'महावतार' के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। वह दर्शकों को एक शानदार कहानी और विजुअल के साथ ग्रैंड एक्सपीरियंस देना चाहते हैं। एक्टर ने तो 'महावतार' के लिए नॉनवेज छोड़ने का भी फैसला लिया है। अगले साल पूजा मुहूर्त के बाद फिल्म पर काम शुरू होगा। रिपोर्ट में बताया गया है कि 'महावतार' अगले साल अंत तक फ्लोर पर आएगी। उम्मीद की जा रही है कि 2028 तक फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हो। बता दें विक्की कौशल इस वक्त रणबीर कपूर और आलिया भट्ट के साथ भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर पर काम कर रहे हैं। ये फिल्म अगले साल आएगी।

संजीव कुमार ने कई फिल्मों में अपनी बेहतरीन अदाकारी से दर्शकों का दिल जीता। कुछ किरदार तो ऐसे निभाए जो वक्त के साथ रहते लोगों के दिलों में अमर हो गए, जिनमें फिल्म 'शोले' के ठाकुर का रोल हो या फिर फिल्म 'आंधी' के जेके का किरदार। उनकी फिल्में आज भी दर्शकों के दिलों में जिंदा हैं।

फिल्म के सेट पर घंटों अपने किरदार में डूबे रहते थे संजीव कुमार

मुंबई। संजीव कुमार, जिनका असली नाम हरिहर जेठालाल जरीवाला था। उनका जन्म 9 जुलाई 1938 को सूरत, गुजरात में हुआ था। उन्होंने अपने अभिनय कॅरियर की शुरुआत थिएटर से की और बाद में हिंदी सिनेमा में कदम रखा।

संजीव कुमार का कॅरियर : संजीव कुमार ने 1960 में फिल्म 'हम हिंदुस्तानी' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। उनकी बहुमुखी प्रतिभा ने उन्हें हर तरह के किरदार निभाने में माहिर बनाया। वह कॉमेडी, ड्रामा और गंभीर किरदारों को बखूबी निभाते थे। उन्होंने 1975 में फिल्म 'शोले' में ठाकुर के किरदार से हर किसी के दिलों में खास जगह बनाई, जिसे दर्शक आज भी देखना पसंद करते हैं। फिल्म 'आंधी' में उनका संजीदा अभिनय दर्शकों को खूब पसंद आया। तो वहीं कॉमेडी फिल्म 'अंगूर' में उनके डबल रोल की तारीफ आज भी होती है। इसके अलावा फिल्म 'नमकीन' और 'कोशिश' में उनके भावनात्मक अभिनय ने सबका दिल जीता। उन्होंने अपने कॅरियर में 100 से ज्यादा फिल्मों में काम किया और कई पुरस्कार जीते, जिसमें दो राष्ट्रीय पुरस्कार शामिल हैं।

फिल्म के सेट के रोचक किस्से : संजीव कुमार सेट पर अपनी सादगी और मेहनत के लिए जाने जाते थे। 'शोले' का किस्सा, जब फिल्म में ठाकुर का किरदार निभाने के लिए उन्होंने अपने किरदार को इतना गहराई से समझा कि सेट पर वह घंटों किरदार में डूबे रहते। 'अंगूर' की शूटिंग के दौरान वह और उनके सह-कलाकार उत्पल दत्त सेट पर मजाकिया माहौल बनाए रखते थे, जिससे सीन और भी मजेदार बन गए। वह अक्सर सेट पर अपने सह-कलाकारों के साथ स्क्रिप्ट पर चर्चा करते और सुझाव देते, जिससे सीन को और बेहतर बनाया जाता।

सिनेमाघरों में इमरान और यामी की अदाकारी वाली 'हक' आज होगी रिलीज

असल जिंदगी के केस पर आधारित हैं ये फिल्में; दिखीं कानूनी पेचीदगियां

नई दिल्ली। इमरान हाशमी और यामी गौतम की अदाकारी वाली फिल्म 'हक' सात नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म शाह बानो केस पर आधारित है। इस केस ने तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं के भरण-पोषण के अधिकार को लेकर बहस छेड़ दी थी। इस खबर में हम आपको उन फिल्मों के बारे में बताएंगे जो असल जिंदगी के केस पर आधारित हैं।

जॉली एलएलबी (2013) : फिल्म जॉली एलएलबी साल 1999 में हुए बीएमडब्ल्यू हिट-एंड रन मामले से प्रेरित थी। संजीव नंदा नाम के कारोबारी पर आरोप था कि उन्होंने 6 लोगों पर गाड़ी चढ़ा दी थी। फिल्म में अरशद वारसी ने एक वकील की दमदार भूमिका निभाई थी। इसमें दिखाया गया था कि कैसे गरीब लोग कानूनी सिस्टम में उलझ जाते हैं।

नो वन किल्ड जेसिका (2011) : यह फिल्म 1999 के जेसिका लाल मर्डर केस पर आधारित थी। इसमें एक पॉलिटिशियन का बेटा एक मॉडल और बार टेंडर का इसलिए कत्ल कर देता है कि उसे उसने ड्रिंक नहीं दी। फिल्म में जेसिका को न्याय दिलाने का संघर्ष दिखाया गया था। इसमें विद्या बालन और रानी मुखर्जी ने अहम किरदार निभाया था।

रुस्तम (2016) : केएम नानावटी केस साल 1959 का एक चर्चित केस था। इसमें नौसेना अधिकारी रुस्तम पावरी पर अपनी पत्नी के प्रेमी की हत्या का आरोप था। यह फिल्म इसी केस पर आधारित थी। इसमें अक्षय कुमार ने अभिनय किया था। फिल्म में रोमांचक कोर्टरूम ड्रामा दिखाया गया है।

शाहिद (2012) : यह फिल्म असल जिंदगी के केस पर आधारित थी। दरअस शाहिद आजमी नाम के एक वकील थे जो आतंकवाद के झूठे केस में फंसाए गए लोगों का केस लड़ते थे। यह फिल्म उनकी जिंदगी पर आधारित थी। इसमें शाहिद का किरदार राजकुमार राव ने निभाया था। फिल्म कानून व्यवस्था में गड़बड़ियों से पर्दा उठाती है।

तलवार (2015) : मेघना गुलजार के निर्देशन में बनी यह फिल्म साल 2008 के नोएडा डबल मर्डर केस पर आधारित थी। नोएडा में 14 साल की आरुषि तलवार और उनके हेल्पर हेमराज को मृत पाया गया था। फिल्म में पुलिस की लापरवाही और गलत जांच प्रक्रिया पर प्रकाश डाला गया था। इसमें इरफान खान ने दमदार भूमिका निभाई थी।

सेक्शन 375 (2019) : मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म 'सेक्शन 375' बॉलीवुड के एक कलाकार के केस (2009) पर आधारित थी। यह फिल्म भारत में दुष्कर्म कानून की जटिलताओं को दिखाती है। इसमें दिखाया गया था कि एक निर्देशक पर अपनी असिस्टेंट के साथ दुष्कर्म करने का आरोप था। फिल्म में अक्षय खन्ना और ऋचा चड्ढा ने वकील की भूमिका निभाई थी। दोनों कोर्टरूम में बेहतरीन तरीके से अपने पक्ष को रखते हैं।

भागवत: चैप्टर वन- राक्षस (2025) : यह फिल्म सायनाइड मोहन के वास्तविक जीवन के मामले से प्रेरित थी। यह फिल्म एक ऐसे हत्यारे की कहानी है जो महिलाओं को अपने प्यार के जाल में फंसाकर जहर देकर मार डालता था। इसमें अरशद वारसी और जितेंद्र कुमार ने अहम किरदार निभाया था।

खबर संक्षेप

बिलाईगढ़ महाविद्यालय में गाया गया वंदे मातरम

बिलाईगढ़। शासकीय शहीद वीर नारायण सिंह महाविद्यालय बिलाईगढ़ के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा 7 नवंबर को वंदे मातरम 150 वीं वर्षगांठ के अवसर पर वंदे मातरम का गायन किया गया। उसके बाद एनएसएस के बच्चों ने स्वच्छ संकल्प अभियान 15 अक्टूबर से 19 नवंबर को आगे बढ़ाते हुए महाविद्यालय परिसर में उगे घास की साफ सफाई किया कार्यक्रम प्राचार्य डॉक्टर उमाकांत मिश्र के निर्देशन व कार्यक्रम अधिकारी तुलेश्वर सिंह ध्रुव के मार्गदर्शन में हुआ। संपूर्ण कार्यक्रम में एनएसएस के 70 स्वयं सेवकों ने भाग लिया वंदे मातरम गायन के दौरान वंदे मातरम कार्यक्रम के प्रभारी पंकज साहू सहायक प्राध्यापक सुनीता विक्रम कोसले उमाशंकर भारद्वाज अन्नू सहित महाविद्यालय के अतिथि व्याख्याता व समस्त अधिकारी कर्मचारी छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

ऑक्सीजोन का नाम सिंदूर पार्क रखने की पहल

रायगढ़। महापौर जीवर्धन इतवारी बाजार में निर्माणाधीन ऑक्सीजोन का नामकरण सिंदूर पार्क के नाम से रखने कलेक्टर को प्रस्ताव भेजेंगे। महापौर ने कहा इस पार्क की स्थापना का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, हरियाली विस्तार एवं स्वच्छ वायु की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। सिंदूर के उल्लेख मात्र से मानव जीवन में आशा और समर्पण भाव का संचार होता है। इस नामकरण से ऑपरेशन सिंदूर की भावना को जहां सम्मान मिलेगा वही नागरिकों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का भाव उत्पन्न होगा। जीवर्धन ने आशा जताते हुए कहा सिंदूर पार्क के नामकरण से पार्क की पहचान प्रेरणादायक बनेगी तथा यह नगर की हरियाली और स्वच्छता अभियान का प्रतीक बनकर उभरेगा।

पारंपरिक रौनक के साथ मनाया बोइत बंधन उत्सव

राउरकेला। ओडिशा की गौरवशाली संस्कृति और परंपरा को संजोए रखने के उद्देश्य से इस्पात नगरी राउरकेला के विभिन्न इलाकों में मंगलवार शाम बोइत बंधन उत्सव धूमधाम से मनाया गया। दस दौरान सांस्कृतिक परिषदों की ओर से आकर्षक सांस्कृतिक संध्या और संगीत कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । उत्सव में जिलाधिकारी डॉ. शुभंकर महापात्र, पूर्व मंत्री सुरेश चंद्र राउतराय, आरएसपी के निदेशक आलोक वर्मा, विधायक सारवा प्रसाद नायक और सौभिक बिश्वाल सहित अनेक गणमान्य अतिथि शामिल हुए। गायक ह्यूमन सागर, इरा महांती, असीमा पांडा और अन्य कलाकारों के गीतों पर दर्शक झूम उठे। दक्षिण राउरकेला में 57वां बोइत बंधन महोत्सव भी धूमधाम से मनाया गया। जिसमें वक्ता डॉ. सनातन साहू ने उत्सव की ऐतिहासिक परंपरा पर प्रकाश डाला।

डेढ़ महीने से मुंबई में पड़ी है श्रमिक की लाश

सुंदरगढ़। बालीशंकरा ब्लॉक के भुखनपाड़ा निवासी गोपीनाथ धरुआ की लाश पिछले डेढ़ महीने से मुंबई में पड़ी है। रोजी रोटी की तलाश में गोवा गए गोपीनाथ की मौत की खबर 24 सितंबर को मिली थी, जब मुंबई पुलिस ने पुराना बस स्टैंड इलाके में उसका शव रक्तरंजित हालत में पाए जाने की सूचना दी। आर्थिक तंगी के कारण परिवार शव लाने में असमर्थ था। लगातार गुहार लगाने के बाद आखिरकार श्रम विभाग ने पहल की। मंगलवार को विभागीय टीम गोपीनाथ के घर पहुंची और शव लाने के लिए मुंबई रवाना की गई। गोपीनाथ अपने माता पिता, पत्नी, छह वर्षीय बेटी और एक विवाहित बहन के साथ रहते थे।

देव दिवाली पर दीपों से जगमगाया बाबा तालाब

राजगांगपुर। कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर शहर में देव दिवाली का पर्व बड़े धूमधाम और धार्मिक आस्था के साथ मनाया गया। हर साल की तरह इस वर्ष भी स्थानीय बाबा तालाब का वातावरण दीपों की ज्योति से आलोकित हो उठा। महिलाओं ने संध्या बेला में जलाशय तट पर दीप प्रज्वलित कर भगवान शिव और समस्त देवताओं की आराधना की। देव दिवाली जिसे विशेष रूप से काशी और वाराणसी के गंगा घाटों पर मनाया जाता है, का धार्मिक महत्व अत्यंत पवित्र माना गया है।

लागत ज्यादा लेकिन पर्यावरण को कम होगा नुकसान

भूमिगत खनन से जंगल और आजीविका रहेगी सुरक्षित

रायगढ़। ऊर्जा जरूरतों के तेजी से बढ़ते दायरे को देखते हुए कोयला उत्पादन की आवश्यकता लगातार बढ़ रही है। लेकिन, इस आवश्यकता के साथ-साथ पर्यावरण और स्थानीय समुदायों की चिंताएँ भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं। इन्हीं दोनों के बीच संतुलन स्थापित करने के लिए कोयला मंत्रालय ने भूमिगत कोयला खनन को बढ़ावा देने की दिशा में कदम बढ़ाया है। यह तकनीक न केवल पर्यावरणीय रूप से स्वच्छ है, बल्कि ग्रामीणों की आजीविका और वनोपज जैसे संसाधनों को भी सुरक्षित रखती है।

- पर्यावरण और ग्रामीण जीवन के बीच संतुलन को बढ़ावा देने होना चाहिए भूमिगत खनन

ऊपरी सतह और वन क्षेत्र को नुकसान नहीं-स्थानीय निवासियों के बीच अक्सर यह आशंका रहती है कि खनन के कारण जंगल खत्म हो जाएँगे, महुआ और अन्य वनोपज घट जाएँगे, या हाथियों की आवाजाही प्रभावित होगी। लेकिन, विशेषज्ञों का कहना है कि भूमिगत खनन इन चिंताओं से पूरी तरह मुक्त है। यह प्रक्रिया जमीन के नीचे 500 से 2000 फीट की गहराई में होती है, जिससे ऊपरी सतह पर किसी प्रकार का नुकसान नहीं होता। वन क्षेत्र और जैव विविधता पर इसका कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता। ग्रामीणों को विस्थापित भी नहीं होना पड़ता है, जिससे उनका सामाजिक और सांस्कृतिक ताना-बाना सुरक्षित रहता है।

कृषि भूमि भी यथावत और वनोपज सुरक्षित- वनोपज संग्रहण और कृषि भूमि की दृष्टि से भी यह प्रक्रिया पूरी तरह सुरक्षित है। भूमिगत खनन में भूमि की ऊपरी सतह पर किसी प्रकार की कोई छेड़छाड़ नहीं की जाती है, जिससे महुआ, तेंदूपत्ता और अन्य वनोपजों का प्राकृतिक चक्र प्रभावित नहीं होता।कृषि भूमि यथावत बनी रहती है और किसानों की परंपरागत खेती पर कोई असर नहीं पड़ता।

1000 से अधिक लोगों को मिलेगा रोजगार- ग्रामीण विकास और रोजगार सृजन के नजरिए से देखें, तो भूमिगत

खनन का सीधा सकारात्मक असर दिखाई देता है।इस प्रक्रिया से 1000 से अधिक कुशल और अकुशल श्रमिकों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत ग्राम पंचायतों में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विकास को भी प्राथमिकता दी जाएगी। विशेषज्ञों का मानना है कि भविष्य में भूमिगत खदानों से उत्पादन बढ़ने पर खुले खनन (ओपन कास्ट माइनिंग) की आवश्यकता कम होगी। इससे भूमि विस्थापन जैसी समस्याएँ घटेंगी और पर्यावरणीय क्षति भी काफी हद तक रोकी जा सकेगी। साथ ही, यह पहल भारत की जलवायु प्रतिबद्धताओं के अनुरूप एक दीर्घकालिक समाधान साबित हो सकती है, जो ऊर्जा आत्मनिर्भरता और सतत विकास दोनों को एक साथ आगे बढ़ाती है। भूमिगत कोयला खनन न केवल भारत की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करेगा, बल्कि यह ग्रामीण भारत के विश्वास, जीवन और पर्यावरणीय संतुलन को भी मजबूती से संजोए रखेगा। यही इस नई खनन नीति की असली ताकत भी है: विकास भी और संरक्षण भी।

ओपनकास्ट कोयला खदान के हानिकारक प्रभाव

- बड़े पैमाने पर भूमि विनाश
- वन और वन्यजीव आवास का नष्ट होना
- भारी विस्थापन और सामाजिक प्रभाव
- बहुत अधिक धूल प्रदूषण
- ब्लास्टिंग से शोर और कंपन प्रदूषण
- भूजल स्तर में भारी गिरावट
- खदान का गंदा पानी, स्लरी
- बड़े-बड़े डंप और लैंडस्केप का नष्ट होना
- वाहनों, मशीनों से डीजल उत्सर्जन और प्रदूषण
- बड़े पैमाने पर मिट्टी और टॉप-सॉयल का नुकसान
- सतह पर खुले कोयले से आग लगना
- माइक्रो-क्लाइमेट में बदलाव

अंडरग्राउंड कोयला खदान, जंगल को नहीं होगा नुकसान

- सतह पर भूमि की कम आवश्यकता
- जंगल, पेड़-पौधे और जैव-विविधता का कम नुकसान
- स्थानीय आबादी का विस्थापन न्यूनतम
- सतह पर धूल और शोर कम
- खदान बंद होने के बाद भूमि का पुनः उपयोग आसान
- खुली मिट्टी/ओवरबर्डन डंप नहीं बनते
- दृश्य प्रदूषण कम

सरसींवां स्कूल के छात्रों ने दी शानदार नृत्य की प्रस्तुति

हरिभूमि न्यूज ⏭ सरसींवा

राज्योत्सव समारोह में पीएम सेजेस शहीद विवेक शुक्ला शाउमावि हिंदी माध्यम सरसींवां के छात्रों ने भाग लिया। छात्रों ने छत्तीसगढ़ी वेषभूषा में कर्मा, भोजली, सुवा, खो खो, राउत नाचा एवं पंथी नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी। जिला स्तरीय राज्योत्सव में जिले से कई स्कूलों के छात्रों ने प्रस्तुति दी मगर सरसींवां स्कूल की छात्रों द्वारा दी गई प्रस्तुति की दर्शकों ने प्रशंसा की।

नृत्य के अंत में उत्साहित दर्शकों ने खूब तालिया बजाई। पीएम विद्यालय सरसींवां जिला स्तरीय कार्यक्रम में भाग लेकर गर्व महसूस कर रहा है। नृत्य की तैयारी में व्याख्याता आर के नायक, यू के जांगड़े, एफआर भारद्वाज, जे पी रात्रे, मनीषा यादव, राजेश नायक, एस के त्रिपाठी, एच के साहू, आर के साहू, वाई के पटेल, अनामिका खटकर, सी के कोशले, सी एल साहू, लिलियामा लकड़ा, एमके साहू, एसपी टंडन, एनके दुबे, आरएल निषाद, के साहू, अंजुलता सायतोड़े, टीकाराम निराला, पीसाहू, सतीश जांगड़े, बीके जांगड़े, पी सी साहू, एसके घृतलहरे, दोअवतार साहू, आरके लहरे अनुसुइया साहू, नितिन बंजारे, हेमलता पटेल, यादराम साहू आदि ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ में प्रियंका का योगदान

कटेली। सारंगढ़ विकासखण्ड अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला दहिदा में पदस्थ प्रधान पाठक राज्यपाल पुरस्कृत शिक्षिका प्रियंका गोस्वामी द्वारा बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ की राष्ट्रीय महत्व की योजना में योगदान देती आ रहीं हैं। इन्होंने लैंगिक समानता को बढ़ावा देकर और लड़कियों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु लगातार जागरूकता रैली द्वारा राष्ट्रीय एकता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। शिक्षा के माध्यम से यह योजना स्कूलों में लिंग आधारित पूर्वाग्रहों को दूर करने, महिलाओं के प्रति सम्मान को बढ़ावा देने और सभी के लिए बेहतर अवसर सुनिश्चित करने पर जोर देती है। इस संदर्भ में प्रियंका गोस्वामी द्वारा लगातार जागरूकता रैली का आयोजन किया जाता रहा है।

राउरकेला में वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर भव्य आयोजन

देशभक्ति एकता व साहस का प्रतीक है वंदे मातरम : ओराम

राउरकेला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर देशभर में वंदे मातरम राष्ट्रगीत की 150वीं वर्षगांठ धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर देश के 150 चयनित स्थलों में ओडिशा के पांच स्थलों में से एक राउरकेला भी शामिल रहा। राउरकेला के सेक्टर 5 स्थित आमबागान चौक के निकट अटल उद्यान में भारतीय जनता पार्टी, राउरकेला संगठनात्मक जिला इकाई की ओर से यह भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सुंदरगढ़ सांसद एवं केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम की शुरुआत सामूहिक वंदे मारतम गायन से हुई, जिससे पूरा परिसर देशभक्ति के रंग में रंग गया। अपने संबोधन में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वंदे मारतम केवल एक गीत नहीं, बल्कि देशभक्ति, साहस, एकता और राष्ट्रप्रेम का अमर प्रतीक है। उन्होंने बताया कि बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा 7 नवंबर 1875 को रचित यह गीत 1882 में आनंदमठ पत्रिका में प्रकाशित हुआ था। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान इस गीत ने भारतीयों में अदम्य जोश और एकजुटता की भावना पैदा की। मुख्य वक्ता राज्य कार्यकारिणी सदस्य बेहेरा ने वंदे मारतम की ऐतिहासिक यात्रा और स्वतंत्रता आंदोलन में उसकी भूमिका पर विस्तृत प्रकाश डाला। वहीं जिला प्रवक्ता ने कहा कि यह गीत स्वतंत्रता

सेनानियों का प्रमुख नारा रहा, जिसने देश को एक सूत्र में बाँधा। कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष ने किया, जबकि संयोजक ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता रमेश अग्रवाल समेत कार्यकर्ता, जिला एवं बूथ स्तर के सदस्य और बड़ी संख्या में आम नागरिक तिरंगा ध्वज लेकर उपस्थित रहे। पूरा वातावरण वंदे मारतम और भारत माता की जय के नारों से गूंज उठा जिसने यह संदेश दिया कि वंदे मातरम की भावना आज भी भारतीय जनमानस में उतनी ही जीवंत है जितनी स्वतंत्रता संग्राम के दिनों में थी।

धनसीर स्कूल में वन्दे मातरम का किया गायन

बिलाईगढ़। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय धनसीर में राष्ट्रीय गीत वंन्दे मातरम का गायन तथा भारत स्काउट्स एवं गाईड्स का स्थापना दिवस बड़े उत्साहपूर्वक ढंग से संस्था प्राचार्य टीआर सिदार की अध्यक्षता में विद्यालय प्रांगण में आयोजित की गई। राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम की रचना आज से 150 वर्ष पूर्व बंकिमचंद्र चटर्जी द्वारा 1870 के दशक में की गई थी, जिसका 150 वर्ष पूर्ण होने पर राष्ट्रीय गीत के सम्मान में छत्तीसगढ़ के समस्त शासकीय कार्यालयों एवं विद्यालयों में सामूहिक गायन आयोजित किए जाने का निर्देश था, उसी परिप्रेक्ष्य में धनसीर स्कूल में भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती के तैल चित्र पर पूजन अर्चन एवं दीप प्रज्वलित कर की गईए पश्चात विद्यालय के वरिष्ठ व्याख्याता नरेन्द्र साहू द्वारा सारगर्भित उदबोधन प्रस्तुत किया गया। श्री साहू ने राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम के इतिहास की जानकारी दी।

कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धा भक्ति, उल्लास का माहौल, सैकड़ों ने लगाई डुबकी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सरिया

बुधवार को कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर स्नान व दीपदान की परंपरा का निर्वहन करने महानदी तथा सरोवरों पर ब्रह्म मुहूर्त से श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी थी। शीतल जल की गहराई में उतरकर ठंड में सभी ने न केवल डुबकी लगाई बल्कि, दीपदान के साथ पूजा अर्चना की। प्रसिद्ध तीर्थ स्थल पोरथ धाम चित्रोत्पला गंगा घाट पर मेले का माहौल देखा गया। आज बुधवार को कार्तिक पूर्णिमा का सबसे बड़ा मेला सरिया में पोरथ धाम महानदी तट पर लगा देखा गया। पुन्नी स्नान के लिए सुबह 4 बजे से ही श्रद्धालु पोरथ धाम में महानदी के घाट पर पहुंच रहे थे।

सारंगढ़ बिलाईगढ जिले के ऐतिहासिक तीर्थ स्थल पोरथ धाम में हजारों की संख्या में पहुंचकर श्रद्धालुओं ने पुन्नी स्नान कर पूजा अर्चना की। यहां स्वयंभू कपिलेश्वर शिव मंदिर में जलाभिषेक और पूजा पाठ करने से पूर्व श्रद्धालुओं ने महानदी में डुबकी लगाई और आस्था के दीप प्रवाहित किया। आस्था के केंद्र पोरथधाम में इस वर्ष कार्तिक पूर्णिमा स्नान के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं सारंगढ़ बिलाईगढ़ व रायगढ़ जिले के कोने कोने से श्रद्धालु पहुंचे थे। इसके अलावा सरहदी प्रांत उड़ीसा से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां आए थे। उड़िया बाहुल्य क्षेत्र होने के कारण कार्तिक चतुर्दशी को पूरे अंचल में आंवला चतुर्दशी के रूप में मनाया गया। गांव गांव में पूजा अर्चना की गई और रात्रि में भंडारा का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने भजन कीर्तन के साथ रतजगा किया और 5 नवंबर की सुबह 4 बजे पुन्नी स्नान कर पूजा अर्चना करते हुए हर हर महादेव के साथ हर हर गंगे का उद्घोष करते हुए आस्था के दीप जलाए। श्रद्धालुओं ने उगते सूर्य को जल अर्पण कर सुख और समृद्धि की कामना की। लोगों ने घाट पर दान पुण्य के साथ कार्तिक मास पर्यंत पूजन अनुष्ठान का भी पारण कर वर्ष भर के लिए श्री और समृद्धि की कामना की। वहीं महिला श्रद्धालुओं ने महीने भर कार्तिक स्नान के बाद सामूहिक रूप से महा आरती कर भगवान भोलेनाथ से विश्व कल्याण की कामना करते हुए पूजा पाठ किया।

स्व. षडंगी की स्मृति में खंड स्तरीय रंगोली स्पर्धा का आयोजन

पुसौर। प्रतिवर्ष कार्तिक पूर्णिमा के पुण्य अवसर पर नगर पंचायत पुसौर के हटरी चौक में स्व. विजय षडंगी के स्मृति में खंड स्तरीय रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। बीते कार्तिक पूर्णिमा के दिन आयोजित यह कार्यक्रम का 21 वां साल था। पुसौर क्षेत्र में नगर उपाध्यक्ष उमेश साव एवं रामलीला समिति अध्यक्ष बैकुंठ गुप्ता व उनके साथियों ने इसका काफी प्रचार प्रसार किया।

कार्यक्रम में 123 जूनियर और 40 सीनियर प्रतियोगियों ने भाग लिया। जिसमें पुसौर के आसपास के दर्जनों गांव की महिलाएं व बालिकाएं शामिल रहे। रथदांड परिसर में सभी प्रतिभागियों के लिए जगह सुरक्षित रखा जहां अपनी अपनी रंगोली के जरिए कलाकृति बनाई। इस बीच लाइटिंग एवं मधुर संगीत चल रहा था

और लोग प्रतिभागियों के कला का मुआयना कर रहे थे। अंत में निर्णायक मण्डल में रहे आदर्श एवं अभिनव स्कूल के शिक्षिका मोनिका शर्मा, प्रीति गुप्ता, कामिनी शर्मा, मंजु गुप्ता, पुजा गुप्ता, सुनिता गुप्ता तथा हेमा पटेल ने बनाए गए समूचे रंगोलीयों को देखा और जांच किया। जिसमें सीनियर एवं जूनियर दोनों का चयन किया गया। जूनियर में प्रथम पुरस्कार बिन्दु चौहान, द्वितीय वर्षा नंदे, तृतीय प्रिसि चौहान इसी तरह सीनियर में प्रथम पुरस्कार ज्योति पाण्डे, द्वितीय निलम दास तथा तृतीय अंजु पटेल शामिल रहे। उक्त कार्यक्रम में कार्यक्रम अध्यक्ष मानी मोहित सतपथी, मुख्य अतिथि डा. रीना नायक, विशिष्ट अतिथि बीएमओ डा. विनोद नायक, पूर्व अध्यक्ष किशोर कसेर, पूर्व अध्यक्ष रितेश थवाईत रामेश्वर पटेल, वरूण देव महाणा, मंजु निराकार पटेल, सुरेश महाणा निलांचल महाणा, नरेश दास, शौकीलाल चौहान, भरत षडंगी, संतोष यादव, रूपेश साव सहित समस्त पार्षद व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे जो रंगोली के उम्दा प्रदर्शन करने वाले विजेताओं को पुरस्कृत किया।

स्थापना दिवस के साथ मनाई गई एनटीपीसी की स्वर्ण जयंती

रायगढ़। एनटीपीसी लारा परियोजना में एनटीपीसी का स्थापना दिवस एवं स्वर्ण जयंती समारोह हर्षोल्लास के साथ 7 नवम्बर को मनाया गया। इस अवसर पर कार्यकारी निदेशक अनिल कुमार द्वारा प्रशासनिक भवन परिसर में एनटीपीसी ध्वजारोहण किया गया। इस मौके पर उपस्थित कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कुमार ने एनटीपीसी एवं लारा स्टेशन की उपलब्धियों को याद करते हुए दिनो दिन लारा परियोजना की बेहतर होती हुई मानदंडों के लिए सभी कर्मचारियों को बधाई दी एवं इस को आगे बरकरार रखते हुए और वेहतर कार्य कुशलताओं को हासिल करने के लिए आग्रह किया। इस वित्त वर्ष में आजतक लारा स्टेशन द्वारा प्लांट लोड के मामलों में एनटीपीसी में 4थी नंबर पर है। पर अनिल कुमार ने यह भरोसा दिलाया की वित्त वर्ष की अंत तक लारा परियोजना नंबर 1 स्थान हासिल करेगी।

हरिभूमि नं.1 एजेंसी देना है
आपका अपना प्रिय अखबार हरिभूमि की लैलुंगा, कुडसिया, राजपुर, बरौद, कुडुमकेला, गोड़म, हरदी, कुडेकेला, हुकराडीपा में एजेंसी देना है।
इच्छुक व्यक्ति रक्षाधन (डिपॉजिट राशि) के साथ संपर्क करें।
हरिभूमि कार्यालय
एसईसीएल महाप्रबंधक कार्यालय के पास, केलो विहार रायगढ़
मो. 7000789166, 9301844932

जनपद में गूंजा वंदे मातरम की 150 वीं वर्षगांठ पर राष्ट्रभक्ति का स्वर

घरघोड़ा। जनपद पंचायत सभागार भवन में आज सौहार्द और उत्साह के माहौल में वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के सामूहिक गायन से हुई, जिसमें उपस्थित जनसमूह ने गीत के प्रति श्रद्धा प्रकट करते हुए देशभक्ति और एकता का संदेश दिया। तत्पश्चात सभी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायक कार्यक्रम मन की बात को एकाग्रता से सुना।

कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का जो संदेश दिया है उस पर हम सबको अमल करने

- सीएम की धर्मपत्नी और सांसद ने सुनी प्रधानमंत्री के मन की बात

की आवश्यकता है। प्रत्येक नागरिक को आत्मनिर्भर बनने और देश को सशक्त बनाने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी केवल एक राजनीतिक व्यक्तित्व नहीं बल्कि एक राष्ट्र और एक विचारधारा हैं। वे भारत के कोने कोने में छिपी प्रतिभाओं को सामने लाने का माध्यम बन रहे हैं। उनके नेतृत्व में देश सुरक्षित और सशक्त महसूस करता है मोदी एक सुरक्षा घेरा हैं। सांसद राधेश्याम राठिया ने कहा कि वंदे मातरम मात्र एक शब्द नहीं बल्कि यह पूरे देश को एक सूत्र में बांधने वाला पवित्र गीत है। अंग्रेजों के शासनकाल में इस गीत ने लोगों के हृदय में देशभक्ति की भावना जगाई थी। आज भी यह गीत एकता सम्मान और राष्ट्रप्रेम का प्रतीक है। कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता राजेन्द्र ठाकुर, जिला उपाध्यक्ष नरेश पंडा, घरघोड़ा मंडल अध्यक्ष राजेश पटेल, जनपद अध्यक्ष सहनू पैंकरा, पार्षद श्रीमती कल्पना रितेश शर्मा, समयनाथ माझी सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।